(घ) कितने आवेदनों को निपटा दिया गया है तथा कितने निपटाए जाने शेष हैं ;

(ङ) जिन आवेदनों को अब तक निपटाया नहीं गया है, उनका ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं ; और

(च) इन आवेदनों को कब तक निपटाए जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) दिल्ली में एक टेलीफोन एक्सचेंज से दूसरे टेलीफोन एक्सचेंज में टेलीफोन कनेक्शन को अपने ही नाम में स्थानांतरित कराने के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं :—

1. ओ०वाई०टी० श्रेणी के अंतर्गत मंजूर किए गए टेलीफोन कनेक्शन को शिफ्ट करने की अनुमति तब प्रदान की जाती है जब टेलीफोन कनेक्शन के पंजीकरण के प्रारंभिक आवेदन की तारीख उस एक्सचेंज में, जिसमें कि उस टेलीफोन को शिफ्ट किया जाना अपेक्षित है, उसकी ओ० वाई० टी० श्रेणी के पंजीकरण को टेलीफोन प्रदान करने की अवधि के भीतर पड़ती हो अथवा इस टेलीफोन ने उस एक्सचेंज क्षेत्र में, जहां से इसे स्थानांतरित किया जाना अपेक्षित है, टेलीफोन कम से कम 6 माह तक की अवधि के लिए कार्य किया हो ।

2. गैर-ओ० वाई० टी० श्रेणी के अंतर्गत टेलीफोन कनेक्शन शिफ्ट करने के मामले में स्थानांतरण की मंजूरी तब प्रदान की जाती है यदि टेलीफोन कनेक्शन के लिए नाम दर्ज कराने की प्रारम्भिक तारीख उस एक्सचेंज की विशिष्ट श्रेणी, जिसमें इसे शिफ्ट किया जाना है, की कनेक्शन दिए जाने की अवधि के भीतर पड़ती हो, इस टेलीफोन ने उस एक्सचेंज क्षेत्र जिसमें इसे शिफ्ट किया जाना है, में कम से कम 18 माह तक कार्य किया हो ।

3. तत्काल श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किए गए टेलीफोन कनेक्शनों के मामले में, बिना किसी पूर्व-शर्त में, स्थानांतरण की अनुमति प्रदान की जाती है ।

(ख) टेलीफोन कनेक्शन की मंजूरी (ओ० बी०) जारी हो जाने के पश्चात् परन्तु नए टेलीफोन कनेक्शन की संस्थापना से पूर्व एक एक्सचेंज से दूसरे एक्सचेंज में पते में परिवर्तन के लिए उपभोक्ता को संबंधित वाणिज्यिक अधिकार (पंजीकरण को आवेदन करना होता है तब जारी की गई ओ० बी० बिना अनुपालन किए वापिस (आर० डब्ल्यू० सी०) कर दी जाती है और मामले को वाणिज्यिक फाइल में हस्ताक्षरों के सत्यापन के पश्चात् नए एक्सचेंज एरिया के वाणिज्यिक अधिकारी (पंजीकरण) को भेजा जाता है । यदि नए एक्सचेंज में उपभोक्ता की बारी आ गई हो तो नए क्षेत्र के वाणिज्य अधिकारी, नए पते पर फिर से ओ० बी० जारी करेंगे । यदि बारी न आई हो तो उपभोक्ता को नया पंजीकरण नम्बर सूचित किया जाएगा ।

(ग) 31 आवेदन पत्र ।

(घ) सभी 31 आवेदन पत्रों का निपटान कर दिया गया है ।

(ङ) तथा (च) उपर्युक्त "घ" को देखते हुए लागू नहीं होता ।

Rising demand for telephones after the reforms

4517. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned, "Reforms to result in sharp rise in demand for phone appearing in the Week-end Observer of Business and Politics, New Delhi dated the 4th March, 1995;

(b) if so, whether any plan has been formulated to meet the likely demand and to upgrade the telecom. services in India;

(c) if so, the broad features thereof and the capital outlay involved;

(d) how it is proposed to raise funds;

(e) whether global players in telecom industry have asked for more transporency in telecom policy; and

(f) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The revised targets for the 8th Five Year Plan as per National Telecom Policy 1994 envisage provision of telephone connections on demand and phone facility in all the villages by 1997. Plans are being formulated to upgrade the telecom services accordingly. As per the objectives of 8th Five Year Plan 7.5 million telephone connections were planned to be added in the country for which the requirement of funds was assessed as Rs. 40,555 crores. However, under National Telecom Policy 1994, the targets have been revised to provide additional 2.5 million telephone connections. Additional requirement of funds for meeting the revised targets is about Rs. 23,000 crores.

(d) Most of the funds required by DOT for the 8th Five Year Plan programme are proposed to be provided by way of Internal Resource Generation. Additional requirement is proposed to be met by way of bonds, leasing and deferred payment. For additional 2.5 million lines, private sector is envisaged to supplement the DOT's efforts.

(e) Yes, Sir.

(f) The required clarifications are being issued.

Poor orders from DOT to ITI, Bangalore

4518. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the Indian Telephone Industries Limited, Bangalore (ITI) has been hit badly by the new telecom policy and poor orders from the Department of Telecommunications (DOT);

(b) if so, what avenues this Company, once holding its premier position in the Indian Telecom scene, is now exploring to retain its advanced technology to provide the state-of-art equipment for satellite communications; and

(c) whether the DOT will ensure that with the opening of the Telecom sector to the Multinationals since last year, the ITI will conutinue to get sizeable orders to maintain itself and retain its premier position in the Indian telecom market and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) ITI is facing certain problems which are due to several factors but mainly due to greater competition and general fall in prices of the telecom equipment.

(b) ITI is exploring new avenues in respect of:

(i) software business

(ii) information technology

(iii) value added service